हिन्दी पाठ्यक्रम

'अ'

नेता जी का चश्मा

स्वयं प्रकाश

प्रदत्त कार्य-1 : अनुच्छेद लेखन

विषय : दादा जी का चश्मा।

उद्देश्य :

- अनुच्छेद लेखन की समझ विकसित करना।
- बड़ों के प्रति आदर / सम्मान की भावना का विकास करना।
- बुजर्गों के प्रति सजग एवं सहयोग की भावना उत्पन्न करना।
- मानव-जीवन की विभिन्न अवस्थाओं का परिचय कराना।
- लेखन कौशल का विकास करना।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया : व्यक्तिगत कार्य

1. अध्यापक सभी छात्रों से इस विषय पर चर्चा करेंगे।
2. इसके बाद सब विद्यार्थी अपने दादा जी/नाना जी और उनके चश्मे के विषय में एक अनुच्छेद लिखेंगे।
3. इस कार्य के लिए उन्हें 15 मिनट का समय दिया जाएगा।
4. इस बीच शिक्षक छात्रों के लेखन कौशल का निरीक्षण करेंगे।
5. कार्य पूर्ण होने पर अध्यापक सुविधानुसार उसका मूल्यांकन कर लेंगे।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- विषयवस्तु
- लेखन कौशल
- भाषायी दक्षता

टिप्पणी :

- इसके अतिरिक्त यदि अध्यापक चाहें तो स्वतन्त्र रूप से किसी उपयुक्त बिन्दु को आधार मानकर मूल्यांकन कर सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- सर्वोत्तम अनुच्छेद को कक्षा में पढ़कर सुनाया जायेगा।
- छात्रों को व्यवहार-कुशल होने के लिए प्रेरित किया जायेगा।
- कमज़ोर विद्यार्थियों को अच्छा लिखने के लिए मार्ग दर्शन दिया जाएगा।

प्रदत्त कार्य-2 : वर्णन

विषय : स्वतन्त्रता सेनानियों के नामों का संकलन एवं उनसे जुड़ी किसी विशेष घटना का वर्णन।

उद्देश्य :

- देश भक्ति की भावना का विकास करना।
- राष्ट्रीय स्वतन्त्रता कायम रखने की प्रेरणा देना।
- पारस्परिक एकता व मनोबल को बढ़ावा देना।
- खोज परक प्रवृति का विकास करना।
- देश भक्तों के प्रति संवेदनशीलता की प्रवृत्ति का विकास करना।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया : सामूहिक कार्य

1. शिक्षक द्वारा 1857 के क्रान्ति आन्दोलन के प्रमुख सेनानियों का उल्लेख किया जायेगा।
2. कक्षा को पांच समूहों में विभक्त किया जाएगा।
3. तत्पश्चात् छात्रों को निर्देश दिया जायेगा कि वे कम से कम पांच स्वतन्त्रता सेनानियों के नामों की सूची बनाएं व उनसे जुड़ी किसी एक विशेष घटना का वर्णन कुछ पंक्तियों में करें।
4. इस कार्य के लिए उन्हें 15 मिनट का समय दिया जाए।
5. इस मध्य शिक्षक छात्रों के कार्य का निरीक्षण करेंगे।
6. इसके बाद प्रत्येक समूह प्रस्तुतीकरण देगा प्रत्येक समूह को 3-3 मिनट का समय दिया जाएगा।
7. मूल्यांकन आधार श्याम पट पर लिख दिए जाएँगे।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- अभिव्यक्ति क्षमता
- घटना क्रम का वर्णन
- सूची

टिप्पणी :

- अध्यापक स्वतन्त्र रूप से सुविधानुसार मूल्यांकन कर सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- सर्वाधिक नाम लिखने वाले छात्र की प्रंशसा की जाएगी।
- जिन छात्रों को अधिक जानकारी नहीं है उन्हें उत्साहित किया जाएगा तथा और जानकारी दी जाएगी।

प्रदत्त कार्य-3 : संवाद लेखन

विषय : मूर्तिकार, चित्रकार तथा संगीतकार के विवाद को व्यक्त करता संवाद लेखन।

उद्देश्य :

- कलाकारों के महत्व को समझाना।
- कलाकारों का अहं उनके झगड़ों का कारण है, अतः अहम् के दुष्प्रभाव से दूर रहने की प्रेरणा देना।
- संवाद विधा से परिचित कराना।
- मौलिक चिंतन की प्रेरणा देना।
- लेखन, वाचन, श्रवण क्षमताओं का विकास।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. सर्वप्रथम अध्यापक विषय का स्पष्टीकरण करेगा कि मूर्तिकार, चित्रकार तथा संगीतकार अपनी-अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करना चाहते हैं। इसी बात को संवादों के माध्यम से अभिव्यक्त करें।
2. पूरी कक्षा को तीन समूहों में विभक्त कर दिया जाए।
   - मूर्तिकार समूह
   - चित्रकार समूह
   - संगीतकार समूह

3. 5–10 मिनट का समय सोचने के लिए दिया जाएगा तथा प्रत्येक समूह यह योजना बनाएगा कि समूह के किस सदस्य को क्या कार्य करना है।

4. प्रत्येक समूह का एक–एक प्रतिनिधि कक्षा में सबके सम्मुख जाकर अपने–अपने संवादों को नाटक की रूपरेखा के अनुसार बोलेंगे।

5. इसमें 10–15 मिनट का समय लगेगा।

6. सारी प्रक्रिया एक कालांश में सम्पन्न हो जाएगी।

7. अध्यापक मूल्यांकन आधार पहले से ही श्याम पट्ट पर लिख देंगे।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- विषय वस्तु
- सटीक तर्क
- संवाद का उच्चारण
- हाव भाव
- भाषायी दक्षता

टिप्पणी :

- अध्यापक मूल्यांकन आधार स्वयं भी निर्धारित कर सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- अच्छे संवाद बोलने वाले विद्यार्थी की सराहना की जाए।
- खुलकर संवाद बोलने की प्रेरणा देते हुए अन्य विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाए।

प्रदत्त कार्य–4 : सूचना एकत्र करना।

विषय : सुभाष चन्द्र बोस

उद्देश्य :

- सुभाष चन्द्र बोस के जीवन से प्रेरणा लेना।
- देश भक्ति की भावना उत्पन्न करना।
- खोजपरक दृष्टिकोण उत्पन्न करना।
- लेखन एवं पठन कौशल तथा वाचन की क्षमता को परिष्कृत करना।

निर्धारित समय: एक कालांश

प्रक्रिया:

1. अध्यापक सर्वप्रथम कक्षा में स्पष्ट कर देंगे कि सभी को सुभाषचंद्र बोस के जीवन से संबंधित सूचनाएँ एकत्रित कर कक्षा में सुनानी हैं। सूचनाएँ नेता जी की जीवनी, कार्य, देश से बाहर का उनका संघर्ष, कांग्रेस में कार्य इत्यादि कुछ भी हो सकती हैं।
2. यह कार्य दो या तीन दिन पूर्व दिया जाए।
3. यह कार्य व्यक्तिगत रूप से दिया जाए।
4. निर्धारित समय पर सभी विद्यार्थी एकत्रित सूचनाएँ कक्षा में 1-1 मिनट में सुनाएँगे।
5. अध्यापक मूल्यांकन आधार श्यामपट्ट पर पहले ही लिख देंगे।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु:

- विषय सामग्री / संकलित सूचनाएँ
- प्रस्तुतीकरण
- भाषायी दक्षता
- आत्म विश्वास

टिप्पणी:

- अध्यापक मूल्यांकन आधार स्वयं भी निर्धारित कर सकते हैं।

प्रतिपुष्टि:

- जिन विद्यार्थियों ने सुभाषचन्द्र बोस के जीवन के विषय में प्रयासपूर्वक सूचनाएँ एकत्रित की हैं, उनकी सराहना की जाए।
- जिनकी सूचनाएं अधूरी एवं नगण्य हैं उन्हें सूचना स्रोतों की जानकारी देकर सूचनाएं एकत्र करवाने की प्रेरणा दी जाए।
- पुस्तकालय से किताबें लेकर दी जा सकती हैं।

प्रदत्त कार्य-5 : साक्षात्कार

विषय : फेरीवाले से साक्षात्कार।

उद्देश्य :

- बातचीत की कला विकसित करना।

- प्रश्नो की समझ तथा निर्माण करना।
- आम आदमी की समस्या को जानना।
- भावनात्मक कौशल का विकास।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. यह व्यक्तिगत कार्य होगा।
2. सर्वप्रथम शिक्षक विषय की पूरी जानकारी देंगे।
3. प्रत्येक विद्यार्थी को अपने मोहल्ले में आने वाले फेरीवाले से साक्षात्कार लेने के लिए कहा जाएगा।
4. सभी विद्यार्थी साक्षात्कार के लिए शिक्षक द्वारा सुझाए गए मूल प्रश्नों को आधार लेंगे।
5. मूल्यांकन के आधार शिक्षक श्यामपट्ट पर लिख देंगे।
6. सभी विद्यार्थी मूल्यांकन के लिए अपना कार्य अध्यापक को सौंप देंगे।
7. अध्यापक मूल्यांकन के बाद कक्षा में कार्य वापस करेंगे तथा विद्यार्थियों को परिणाम बताएंगे।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- प्रस्तुतीकरण एवं विषय वस्तु
- समग्र प्रभाव
- सटीक तर्क एवं उदाहरण

टिप्पणी :

- अध्यापक मूल्यांकन के आधार स्वयं निर्धारित करने के लिए स्वतंत्र है।

प्रतिपुष्टि :

- अच्छे साक्षात्कार करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करेंगे।
- कमजोर विद्यार्थियों को उत्साहित करेंगे।
- आदर्श साक्षात्कार कक्षा में प्रस्तुत भी कर सकते हैं।